

to be manufactured in the hundred percent export-oriented complexes or free trade zones.

[F.No.143/19/87—GC.]

Yuvraj Gupta, Director (Gold Control)

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1988

का. प्रा. 865(अ).—सै. के. पी. आर. नायर, प्रशासक स्वर्ण (निर्माण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 9 की उपधारा (2) और धारा 115 की उपधारा (1) के साथ पठित, धारा 8 का उपधारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपनी यह राय होने पर कि भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा आयात और निर्यात नीति (1988-91) के भाग 2 के अध्याय 21 के पैरा 323(अ), पर अधिसूचित योजना में विनिर्दिष्ट विनियम परिस्थितियों और आयात और निर्यात मुख्य निर्यात द्वारा जारी किए गए आदेशों परिलक्ष्य से, 22/88, तारीख 15-6-1988 द्वारा अधिसूचित प्रक्रिया से ऐसा अधिनियम है, निम्न-लिखित को, अधिनियम :-

(1) भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लिमिटेड की निम्न-लिखित शाखाओं,—

(i) भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लिमिटेड, एक ब्लाक इंडेबालान पतैटेड फौट्रोज प्रसेज, रानी जॉन्स रोड, नई दिल्ली-110055.

(ii) भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लिमिटेड, गोंताकुज प्रोद्योगिकी, निर्यात प्रसंस्करण जोन, अंधेरी (पूर्वी) मुम्बई,—

(क) को, प्राथमिक स्वर्ण, स्वर्ण मध्यवर्तियों और संघटकों को जिनके अंतर्गत स्वर्ण मिश्र-धातु कैरेट स्वर्ण, रजित स्वर्ण और 0.995, की शुद्धता और उससे कम की संश्रितियों को अर्जित करने, प्रतिगृहीत करने या अन्यथा प्राप्त करने के लिए,

(ख) ऐसे स्वर्ण को अंतर्प्रतिगत निर्यातोग्रुही प्रसेजों या स्वतंत्र व्यापार जोनों में अनुज्ञप्त व्योहारी का विपणन करने, परिवर्तन करने अन्तर्गत करने या अन्यथा व्यवहित करने के लिए,

(2) मद (1) (ख) में निर्युक्त अनुज्ञप्त व्योहारी को, भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लिमिटेड का पूर्वोक्त दोनों शाखाओं द्वारा इस प्रकार बेचे गए ऐसे स्वर्ण को अर्जित करने, प्रतिगृहीत करने या अन्यथा प्राप्त करने के लिए, प्राधिकृत करता है :-

परन्तु अनुज्ञप्त व्योहारी ऐसा स्वर्ण किसी अन्य अनुज्ञप्त व्योहारी को नहीं बेचेगा या अन्यथा व्यवहित नहीं करेगा किन्तु —

(क) ऐसे स्वर्ण का अंतर्प्रतिगत निर्यातोग्रुही प्रसेजों या स्वतंत्र व्यापार जोनों के परिसरों के भीतर आभूषणों या वस्तुओं या दोनों के बनाने, विनिर्माण करने या तैयार करने में उपयोग कर सकेगा,

(ख) ऐसे स्वर्ण को अंतर्प्रतिगत निर्यातोग्रुही प्रसेजों या स्वतंत्र व्यापार जोनों के परिसरों के भीतर आभूषणों या वस्तुओं या दोनों के बनाने, विनिर्माण करने या तैयार करने के प्रयोजन के लिए नियोजित किसी अंतर्प्रतिगत स्वर्णकार को परिवर्तन या अन्तर्गत कर सकेगा ।

[का. सं. 143/19/87—जी सी]

सै. पी. आर. नायर, स्वर्ण नियंत्रण प्रशासक

New Delhi, the 14th September, 1988

S.O.865 (E):—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 8, read with sub-section (2) of section 9 and sub-section (1) of section 115, of

the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968), I, K.V.R. Nair, Administrator, being of the opinion that the special circumstances specified in the Scheme notified by the Government of India in the Ministry of Commerce in Para 323 (A) of Chapter XXI of Part II of the Import and Export Policy (1988-91) and the procedures stipulated vide REP circular No. 22/88, dated the 15th June, 1988 issued by the Chief Controller of Imports and Exports, so require, hereby authorise, —

(1) The following branches of the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd. —

(i) The Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., F Block, Jhandewalan Flatted Factories Complex, Rani Jhansi Road, New Delhi-110055;

(ii) The Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., Santacruz Electronic Export Processing Zone, Andheri (East), Bombay-400096,—

(a) To acquire, accept, or otherwise receive primary gold, gold intermediates and components, including gold alloys' carat gold, coloured gold and findings of 0.995 fineness and below;

(b) to sell, deliver, transfer or otherwise dispose of such gold to licenced dealer in the hundred percent export oriented complexes or free trade zones;

(2) The licenced dealers referred to in item (1) (b) to acquire, accept or otherwise receive such gold so sold by the aforesaid two branches of the Mineral, and Metals Trading Corporation of India Ltd.:

Provided that the licenced dealer shall not sell or otherwise dispose of such gold to any other licenced dealer but may —

(a) Use such gold in the making, manufacturing or preparing of ornaments or articles or both within the premises of the hundred percent export oriented complexes or free trade zones;

(b) Deliver or transfer such gold to a certified goldsmith employed for the purpose of making, manufacturing or preparing of ornaments or articles or both within the premises of the hundred percent export oriented complexes or free trade zones.

[F.No.143/19/87—GC.]

K.V.R. Nair, Gold Control Administrator



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 468) नई दिल्ली, शुक्रवार, सितम्बर 16, 1988/साद 25, 1910
No. 468) NEW DELHI FRIDAY, SEPTEMBER 16, 1988/BHADRA 25, 1910

इस भाग में अलग पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1988

अधिसूचना

(खंड नियंत्रण)

का. आ. 866(अ) :—केन्द्रीय सरकार, खंड नियम, 1955 के नियम 4 के उप-
नियम (1) के साथ के पठित, खंड अधिनियम, 1947 (1947 का 24) की धारा 4
की उपधारा (3) के खंड (ड) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह अधिसूचित

2350 GI/88

(1)